Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding problems caused by Neel Gaye in Bihar.

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): सभापति महोदय, मुझे किसानों से बहुत प्रेम है, लेकिन उसके साथ-साथ जानवरों से भी प्रेम है । लेकिन एक बड़ा संकट आ गया है । खास कर के मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड और राजस्थान में नील गाय की समस्या बढ़ रही है । नील गाय की समस्या के साथ-साथ जंगली सूअर की भी समस्या है । सूअर तो वेजिटेरियन है, वह खेतों में प्रवेश कर के चाहे आलू की फ़सल हो या जो भी कंद हो, उसे बहुत नुकसान करते हैं । उसी प्रकार से एक नील गाय, जिसका वजन 200 केजी होता है, लगभग 40 केजी घास प्रति दिन खाती है । यह एक ऐसी समस्या उभर कर आ रही है, जो कि पूरे बिहार में है । मैं प्रत्येक दिन देखता हूँ कि किस प्रकार से बिहार में किसान परेशान है । मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करूँगा कि वे किसान के इस बड़े विषय पर चर्चा करा कर देश के किसानों को निदान दिलाए । यह मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और डॉ. निशिकांत दुबे को श्री राजीव प्रताप रूडी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।